SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes/Term 2

SUBJECT: HINDI

CLASS -6

Prepared By: DEEPIKA MEHRA

पाठ ११ - मैं सबसे छोटी होऊँ

Given date -

Prepared date -

शब्द -अर्थ ;

अंचल - आँचल
छलना - धोखा देना
मात - माता, माँ
कर – हाथ
सज्जित सजाना -
गात शरीर -
सुखद -सुख प्रदान करने वाली
निस्पृह जिसे कोई इच्छा न हो -
निर्भय जिसे कोई डर न हो -
चंद्रोदय चाँद का निकलना -

प्रश्न १.कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना क्यों की गई है?

उत्तर -घर के सबसे छोटे सदस्य को घर के सभी लोगों का प्यार और दुलार सबसे अधिक मिलता है और खासकर माँ के साथ तो उसका जुड़ाव कुछ ज्यादा ही होता है इसलिए कविता में सबसे छोटे होने की कल्पना की गई है।

प्रश्न .२ कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' क्यों कहा गया है?

उत्तर- अपने माँ के स्नेह को हमेशा पाने के लिए, हमेशा उसके ममता के आँचल के साए में रहने के लिए कविता में 'ऐसी बड़ी न होऊँ मैं' कहा गया है।

प्रश्न.३ कविता में किसके आँचल की छाया में छिपे रहने की बात कही गई है और क्यों?

उत्तर- कविता में माँ के आँचल की छाया में छिपे रहने की बात कही गई है।
माँ अपने बच्चों से सबसे अधिक प्यार करती है और उसके इस प्यार के आँचल में बच्चा हमेशा अपने को निर्भय और सुरक्षित समझता है।

प्रश्न.४ आशय स्पष्ट करो –
हाथ पकड़ फिर सदा हमारे
साथ नहीं फिरती दिनरात- |

उत्तर- प्रस्तुत पंक्तियों का आशय यह है कि जैसे जैसे हम बड़े-होते जाते हैं वैसेवैसे माँ का साथ छूटता - जाता है। वह निरंतर हमारे साथ नहीं रह पाती है।

भाषा की बात :

प्रश्न-१ . 'पकड़पकड़कर-' की तरह नीचे लिखे शब्दों को पूरा करो और उनसे वाक्य भी बनाओ –
छोड़, बना, फिर, खिला, पोंछ, थमा, सुना, कह, दिखा, छिपा।

उत्तर:

बना (बनाकर) - रोहित ने चाय बनाकर पिलाया।
फिर (फिरकर) - तुम थोड़ी देर घूम-फिरकर आओ।
खिला (खिलाकर) - तुम्हें खिलाकर ही मैं खाऊँगा।
पोंछ (पोंछकर) - मोहित ने सामान को पोंछकर रखा था।
थमा (थमाकर) - इतना भारी सामान थमाकर वह भाग गया।
सुना (सुनाकर) - नानी मुझे कहानी सुनाकर सुलाया करती हैं।
कह (कहकर) - मैंने उसे तुम्हारी बात कहकर ही उसे पुस्तक दी।
छिपा (छिपाकर) - हमें बड़ों से छिपाकर कोई काम नहीं करना चाहिए।

प्रश्न .२ इन शब्दों के समान अर्थ वाले दो- दो शब्द लिखो-
हाथ, सदा, मुख, माता, स्नेह।
हाथ - कर, हस्त
सदा - हमेशा, सर्वदा
मुख - मुँह, आनन
माता - माँ, जननी
स्नेह - प्यार, प्रेम